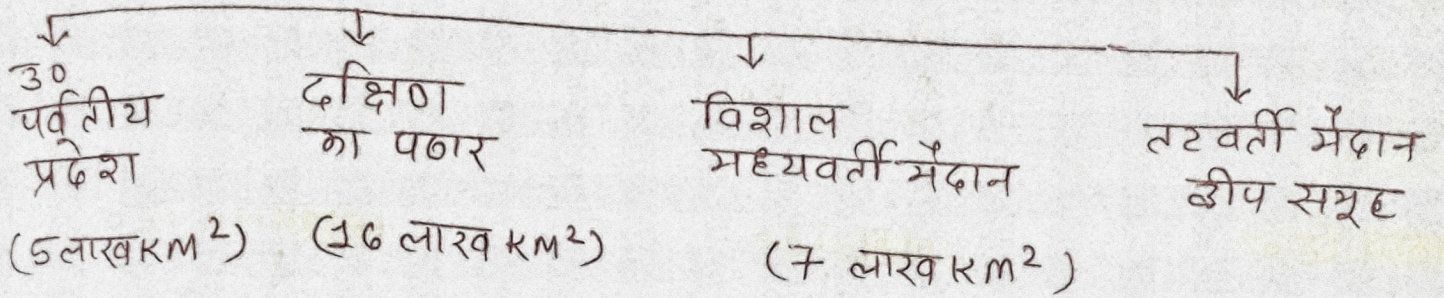


प्राकृतिक विभाग



क्षेत्र → पठार > मैदान > पर्वतीय प्रदेश

भारत → ~~सदृशी~~ ~~भूभाग~~ → ~~सदृश~~

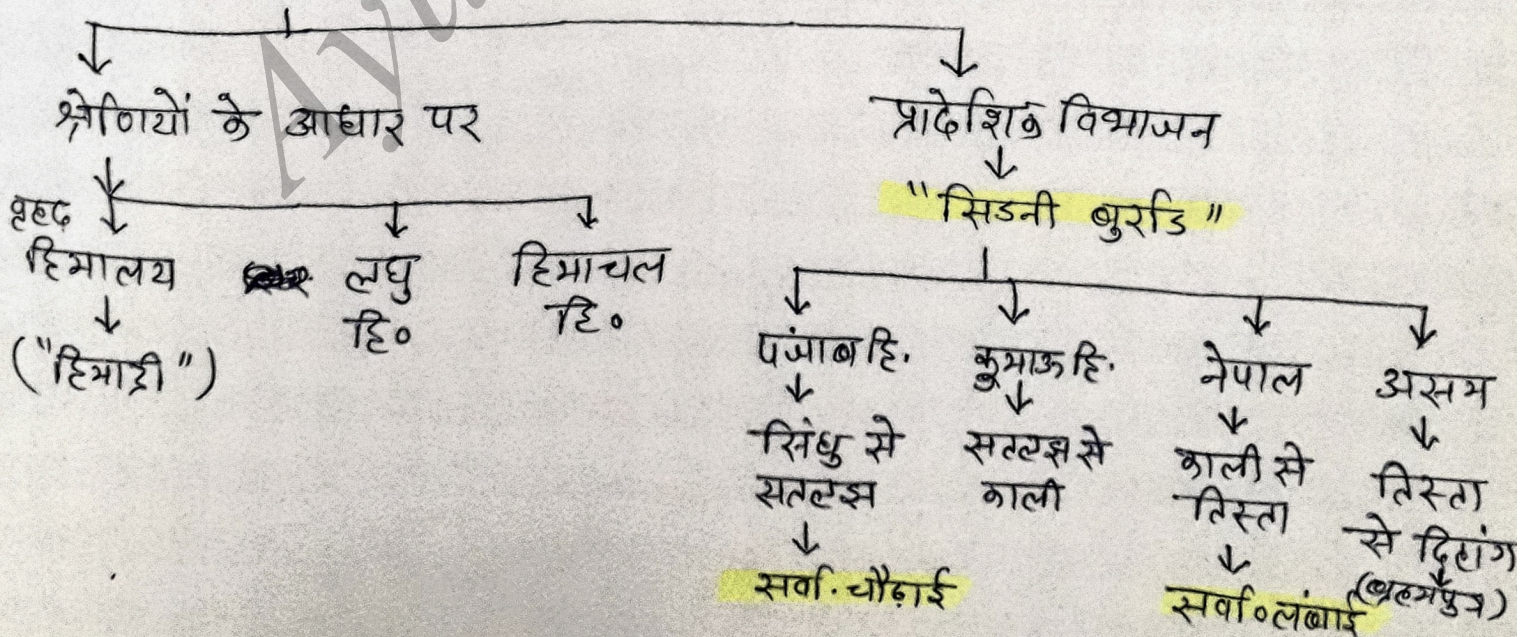
सबसे बड़ा भौतिक प्रदेश
→ प्रायद्वीपीय पठार

- ① मैदानी भाग 43%
- ② पठारी भाग 28%
- ③ पहाड़ी भाग 18%
- ④ पर्वतीय भाग 11%

① उत्तर का पर्वतीय प्रदेश

- ① हिमालय पर्वत श्रृंखला
- ② झांझ हिमालय
- ③ पूर्वांचल की पहाड़ियाँ

हिमालय पर्वत श्रृंखला



- ३० पर्वतीय प्रदेश -
- 5 लाख Sq KM
 - 2400 KM \longleftrightarrow
 - \updownarrow 500 KM

महान हि०



- गंगा पर्वत से नागचा बरुआ
- \longleftrightarrow 2500 KM
- औ० ऊ० - 6000 m

लघु हि०



- महान हि० के सांगतर (सर्वो चौड़ाई)
- 80 से 100 चौड़ाई
- औ० ऊ० - 3700-4500 m

श्रेणियाँ → पीरपंजाल (कश्मीर)
 धौलाधार
 नागटिबा (कुमाऊं)
 महाभारत (नेपाल)
 मसूरी (कुमाऊं)

- लघु हिमालय में ढाल पर छोटे-2 त्रेढ़ान जिन्हे कश्मीर में त्रग उत्तराखंड में बुग्याल-पयार

शिवालिक हि०

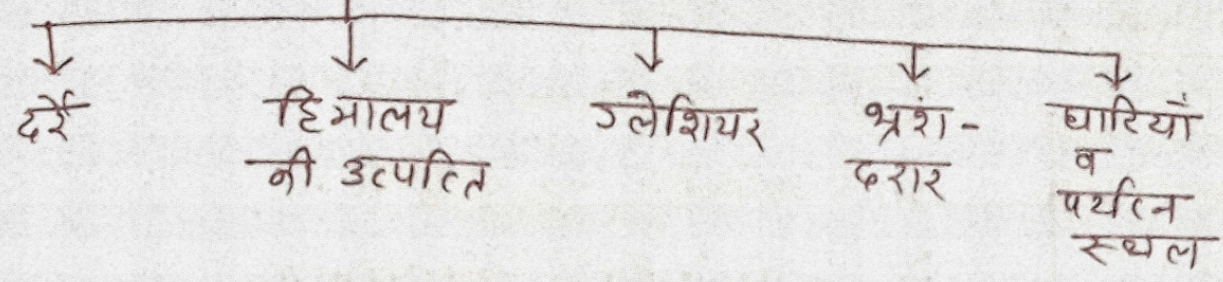


- पंजाब से कौसी तक
- चौ० 50 KM
- औ० ऊ० 600-1500 m

• श्रेणियाँ ↓
 • जम्मु पहारियाँ
 • डाफला
 • मिरी
 • मिशमी

- नदी अवसादों से निर्मित (इंडो ब्रह्म नदी)
- नागकरठा - शिवालिक श्रंखला से

sub - topic



द्रास हिमालय



काराकोरम, लद्दाख,
जास्कर, कैलाश
(श्रेणियाँ)

$\Delta \rightarrow K_2 \rightarrow 8611\text{m}$

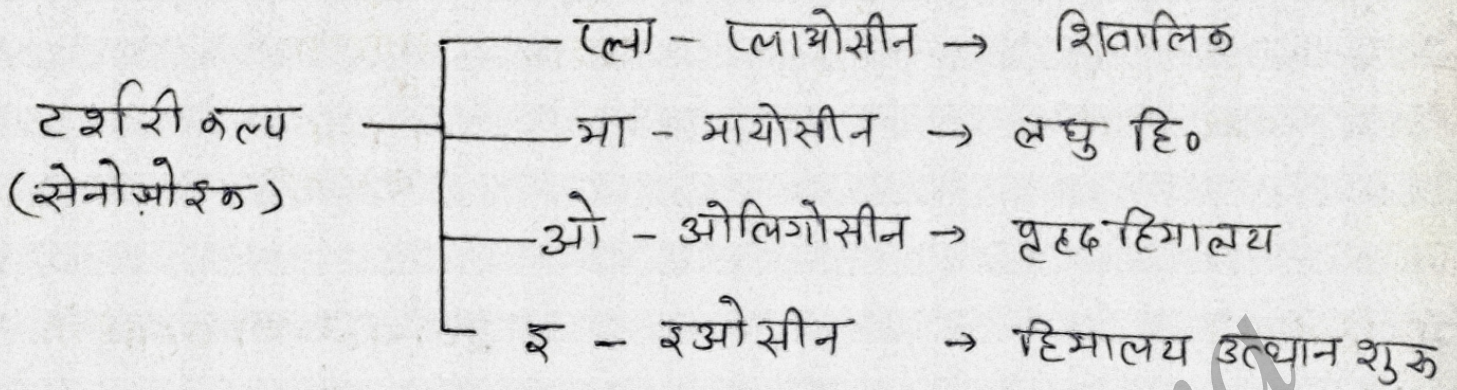
Highest point of india

पूर्वांचल की पहाड़ियाँ

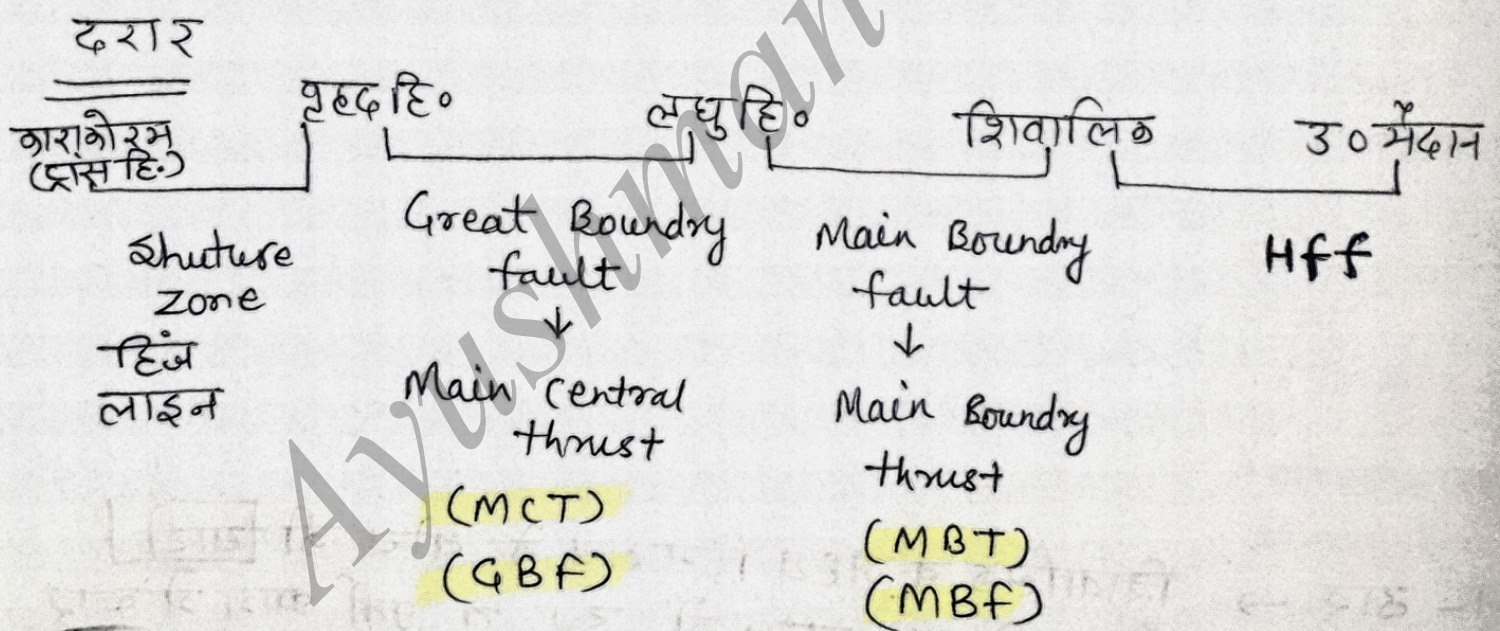


* इन - डार \rightarrow शिवालिक व मध्य हिमालय के बीच की घाटी को पश्चिम - मध्य में इन व पूर्वी भाग में घाट कहा जाता है।

हिमालय उत्पत्ति :-



- नवीन मोड़दार पर्वत
- निर्माण → टैचिस थ्रु सन्नति से
- कार्बनिकेस काल से प्रायद्वीपीय भारत का स्थानांतरण शुरु हो गया था



घाटियाँ ↓
पर्यटन

मध्यहि० ↓ शिवालिक
• इन (घाटियाँ)
• ढार
(सकीर्ण अनुदैर्घ्य घाटियाँ)

लघुहि०
↓
• मर्ग (कश्मीर) दोरे-2
• बुग्याल पथार (मैदान)
(उत्तराखंड)

लघु हिमालय
↓
शिमला (धौलाधार)
रानीश्वेत
नेनीताल
दार्जिलिंग
अश्ररी

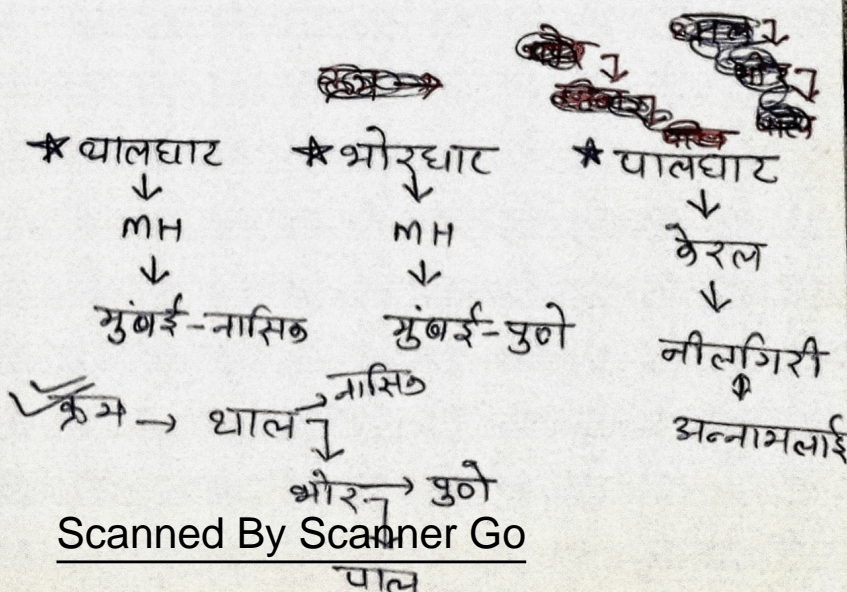
महानहि० ↔ लघुहि०
• कश्मीर घाटी
• कुलों की घाटी
• लाहौल - स्फीति
• काठमांडू घाटी

“ पहाड़ियों के अनुप्रस्थ सबरी श्रेणी जिससे स्थल मार्ग जाया जा सके ”

दर्रे →

- ① बुरजिल
 - ② जोड़ीला
 - ③ बनिहाल
 - ④ नाराबौरम
 - ⑤ शिपकीला
 - ⑥ बारालाचाला
 - ⑦ शेहतंगा
 - ★ मुलिंगला
 - ⑧ लिपूलेख
 - ⑨ माना
 - ⑩ नीति
 - ⑪ नाथूला
 - ⑫ जैलेपला
- JK → आंगे लाल
- HP
- UTTARA
- SIKKIM

④ बोगडीला - ARP



कलिंग को लहासा से जोड़ता है

प्रायद्वीपीय पठार

वर्गीकरण

प्रायद्वीपीय पर्वत

वर्गीकरण

Central
High land

Deccan plateau

① ~~अश्वमेध~~

② पूर्वी RJ की उच्च भूमि

③ मालवा पठार

④ बुंदेलखंड पठार

⑤ बघेलखंड का पठार

⑥ छोटानागपुर

⑦ त्रैधात्य का पठार

① सतपुड़ा श्रेणी

② महाराष्ट्र का पठार

③ महानदी बेसिन

④ दंडकारण्य का पठार

⑤ तेलंगाना का पठार

सामान्य विभाजन

मालवा

बुंदेलखंड

बघेलखंड

त्रैधात्य

उच्च प्रायद्वीप

छोटानागपुर

दक्कन का पठार (महाराष्ट्र)

तेलंगाना

कर्नाटक

दंडकारण्य

अरावली - • विश्व का प्राचीनतम झोड़दार पर्वत

• प्रीहिस्टोरियन काल में धारवाड़ के वलन से

• Δ - गुरुशिखर (1722 m)

• उदयपुर - 'अरगा'

अलवर - 'हर्षनाथ'

दिल्ली - 'दिल्ली पहाड़ी'

• चट्टानें - क्वार्ट्ज, ~~सीसा~~

श्वनिज - सीसा, जस्ता, एस्बेस्टस

विंध्याचल → • हर्सीनियन सीरीज

• ठलाठ पर्वत

• भारनेर, केंचूर, पारसनाथ

• उत्तर - दक्षिण के त्रैय विभाजक

सतपुड़ा

→ • राजपीपला से राजमहल पहाड़ी

• महादेव, भैरव

पश्चिमी घाट

- प्रायद्वीपीय भारत का एक fault escarp है (हिमालय के उत्थान के समय, अफ्रीका से भ्रंशान द्वारा पृथक्कृत हुआ)
- विस्तार - तापी मुहाने से कुमारी अंतरीप

1600 Km

- Δ उत्तरी सहयाद्री
 - कालसुबाई (1664)
 - महाबलेश्वर - वृष्णा उदुगम
- मध्य सहयाद्री
 - कुद्रेमुख (1892)

पूर्वी घाट

- कैलोडोनियन इत्र से संबंधित है, भरावली के बाद सर्वा प्राचीन

1300 Km

- Δ सबसे ऊँची चौड़ी
 - विश्वाकापट्टनम (1680)
 - महेन्द्रगिरी

- उत्तरी भाग
 - अधिच चौड़ा
 - चर्कोनाइट-खण्डो लाइट
- मध्य भाग - क्वार्टजाइट स्लैट

Ayushman Mishra

Highest Peak

हिमालय (भारत की) - K₂ (8611) > कंचनजंघा (सिक्किम) (8598) > नंदी देवी (उत्तराखण्ड)

कच्छ प्रायद्वीप - गिरनार

अरावली - गुरुशिखर (1722m)

महादेव (सतपुड़ा) - धूपगढ़ (1350m)

प्रायद्वीपीय भारत - ① • इनाईमुडी (अन्नामलाई, 2695m)

② • दौलाबेट्टा (2637m), TN, नीलगिरी
[पश्चिमी ↔ पूर्वी का मिलन]

पश्चिमी घाट (सह्याद्री) - [कुद्रेभुरग *
कालसुबाई (हरिश्चंद्र Range)]

पूर्वी घाट - [विशाखापट्टनम * (1680m)
महेन्द्रगिरी (1501m)]

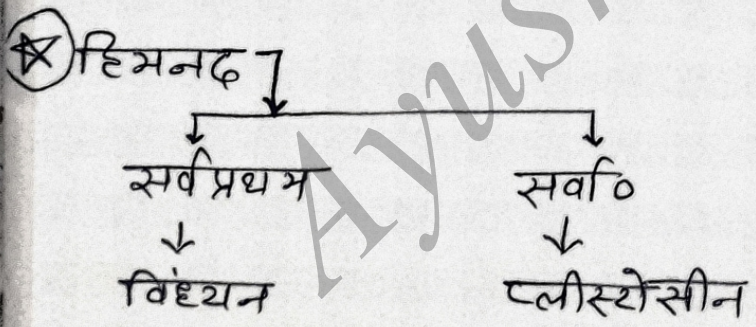
छोटा नागपुर - पारसनाथ

त्रेधालय पर्वत - नौकरेठ

★ पर्वत निर्माण क्रम →

- ① ~~कैम्ब्रियन~~ कैम्ब्रियन - प्री कैम्ब्रियन काल - अरावली (अवशिष्ट पर्वत)
(धारवाड़ शैल से)
(प्राचीनतम मोड़दार)
- ② कैलीडोनियन - प्री कैम्ब्रियन काल - पूर्वी घाट
- ③ हर्सीनियन - पर्मियन ↔ कार्बनiferस - विंध्यचल - सतपुड़ा
(बलाक पर्वत)
- ④ टर्शरी - सेनोजोइक कल्प - हिमालय
(नवीनतम मोड़दार)
- ⑤ टर्शरी - ~~सेनोजोइक कल्प~~ - पश्चिमी घाट
(अंशित पर्वत)

[“ हिमालय की उत्पत्ति के समय बना एक ~~...~~ ”
"Fault Scarp"
इसी समय यह भाग अफ्रीका से अलग होकर भ्रंशान से निर्मित हुआ]



- ★ दक्कन ट्रैप →
- पूर्व टर्शरी + क्रिटेसियस कालीन
 - दरारी उद्भेदन + केन्द्रीय के श्री प्रमाण
 - महाराष्ट्र + गुजरात + MP + कही-कही (CG+TN+AP)

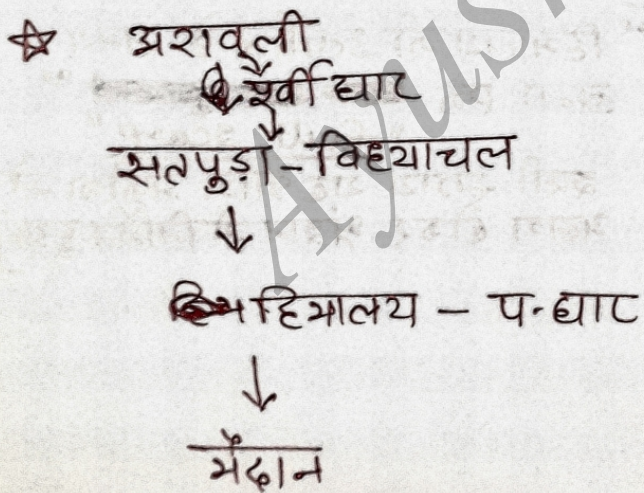
★ हिम श्रैखा की ऊँचाई पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ती है, कश्मीर हि० में 6000m, नेपाल हि० 4500m हैं, जबकी पूर्व से हिमालय की ऊँचाई पूर्व से प० की ओर कम है। कारण पूर्वी क्षेत्र में आईस के प्रभाव से पश्चिमी हि० में हिम श्रैखा अधिक ऊँचाई पर हैं।

★ पूर्वी हिमालय में डूनी लाइन - 3600-3800m
 व मध्य

पश्चिमी - उत्तर प० - 3300-3600

★ पूर्वी हिमालय की तुलना में प० हिमालय में डूनी लाइन का मान कम है।

★ पश्चिमी हिमालय → ऊँची हिमश्रैखा
 निम्न डूनी लाइन



विशाल मैदान • (7.5 लाख Km²) 2400 Km ↔
 ↓ 100-500 Km

ढाल के आधार पर
 ↓

- ① भाबर - 8-16 Km ↓
- ② तराई - ↓ 15-30 Km
- ③ बांगर - महय से अपर प्लीस्टोसीन
- ④ खादर - अपर प्लीस्टोसीन से जारी है।

क्षेत्रगत • प्लीस्टोसीन
 कालीन जमाव
 ↓

- ① पंजाब हरियाणा - यमुना - रावी
 बिस्त - व्यास/सतलज
 बारी - व्यास/रावी
- ② राजस्थान का मैदान
- ③ गंगा का मैदान
- ④ ब्रह्मपुत्र का मैदान

बेत → नवीनतम जलोढ़क बाद मैदान को पंजाब में बेत कहते हैं।

coastal plains

पूर्वी
↓

- ① गुजरात मैदान
- ② कोकण - ८७ से गोवा
- ③ कन्नड़ - गोवा - मैंगलोर
- ④ मालाबार - मैंगलोर से कन्याकुमारी

पश्चिमी
↓

- ① डेकन मैदान
- ② उत्तरी सरकर - AP
- ③ कौरीमण्डल - TN

Ayushman Mishra